

मुख्यमंत्री ने की युवा महोत्सव में मंगल दलों की प्रोत्साहन राशि में एक हजार रुपए की वृद्धि की घोषणा

चर्चा में क्यों?

4 जनवरी, 2023 को उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने देहरादून के परेड ग्राउंड में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय युवा महोत्सव का उद्घाटन करते हुए प्रदेश के युवक व महिला मंगल दलों की प्रोत्साहन राशि में एक हजार रुपए की बढ़ोतरी की घोषणा की।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि स्वामी विकानंद के जन्म दिवस पर 12 जनवरी को राज्य एवं जनपद स्तर पर युवा दिवस मनाया जाएगा। ऐसे महोत्सव हमारी संस्कृति एवं परंपराओं को आगे बढ़ाने का कार्य करते हैं।
- उन्होंने बताया कि इस राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में चयनित प्रतिभागी 12 जनवरी को धारवाड़ कर्नाटक में राष्ट्रीय स्तर के युवा महोत्सव में हिस्सा लेंगे। साथ ही उत्तराखण्ड के ब्रांड एंबेसडर के रूप में यहाँ की संस्कृति को पूरे देश के सामने रखेंगे।
- इस मौके पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्य ने बताया कि राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में लोक गीत, लोक नृत्य और हमारी सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े कई कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाएंगे।
- राज्य खेल एवं युवा कल्याण विभाग के निदेशक जतिंद्र सोनकर ने बताया कि प्रोत्साहन राशि बढ़ाने का लाभ करीब सात हजार मंगल दलों के सदस्यों को लाभ मिलेगा। अब इन दलों को चार की जगह पाँच हजार रुपए प्रतिवर्ष के हिसाब से प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।
- इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने 2021-22 में उत्कृष्ट कार्यों के लिये युवक एवं महिला मंगल दलों को राज्य स्तरीय विकानंद यूथ अवॉर्ड से सम्मानित किया। युवक मंगल दल मनकटिया विकासखंड मूनाकोट पथौरागढ़ को प्रथम, युवक मंगल दल धुरा नंदानगर विकासखंड घाट चमोली को द्वितीय और युवक मंगल दल खेड़ाजट विकासखंड नारसन हरदिवार को तृतीय पुरस्कार मिला।
- इसके अलावा महिला मंगल दल नंदानगर विकासखंड घाट चमोली को प्रथम, महिला मंगल दल कसिमलिया विकासखंड कपकोट बागेश्वर को द्वितीय और महिला मंगल दल बड़ोवाला विकासखंड डोईवाला व महिला मंगल दल हसनपुर विकासखंड भगवानपुर को संयुक्त रूप से तृतीय पुरस्कार मिला।
- इसके अंतर्गत प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले दलों को क्रमशः एक लाख, 50 हजार और 25 हजार रुपए की धनराशि दी गई।
- ज्ञातव्य है कि मंगल दल समाज के विकास में अहम भूमिका निभाते हैं। ये सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुँचाते हैं और लोगों को इनका लाभ लेने के लिये प्रेरित करते हैं। इसके अलावा ये दल शिक्षा एवं स्वरोजगार के लिये भी लोगों को प्रोत्साहित करते हैं। साथ ही, हमारी संस्कृति और परंपराओं को ज़िदा रखने में भी उत्कृष्ट भूमिका निभाते हैं।